

वार्षिक प्रतिवेदन ANNUAL REPORT 2006-07



24x7 इंटरनेट बैंकिंग
वैयक्तिक बैंकिंग
अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग
सभी शाखाओं में कोर बैंकिंग समाधान
कॉर्पोरेट बैंकिंग
भारत के सबसे बड़े एटीएम नेटवर्क से सम्बन्ध
ऑनलाइन बिल भुगतान सुविधा
वित्तीय समावेशन पर बल

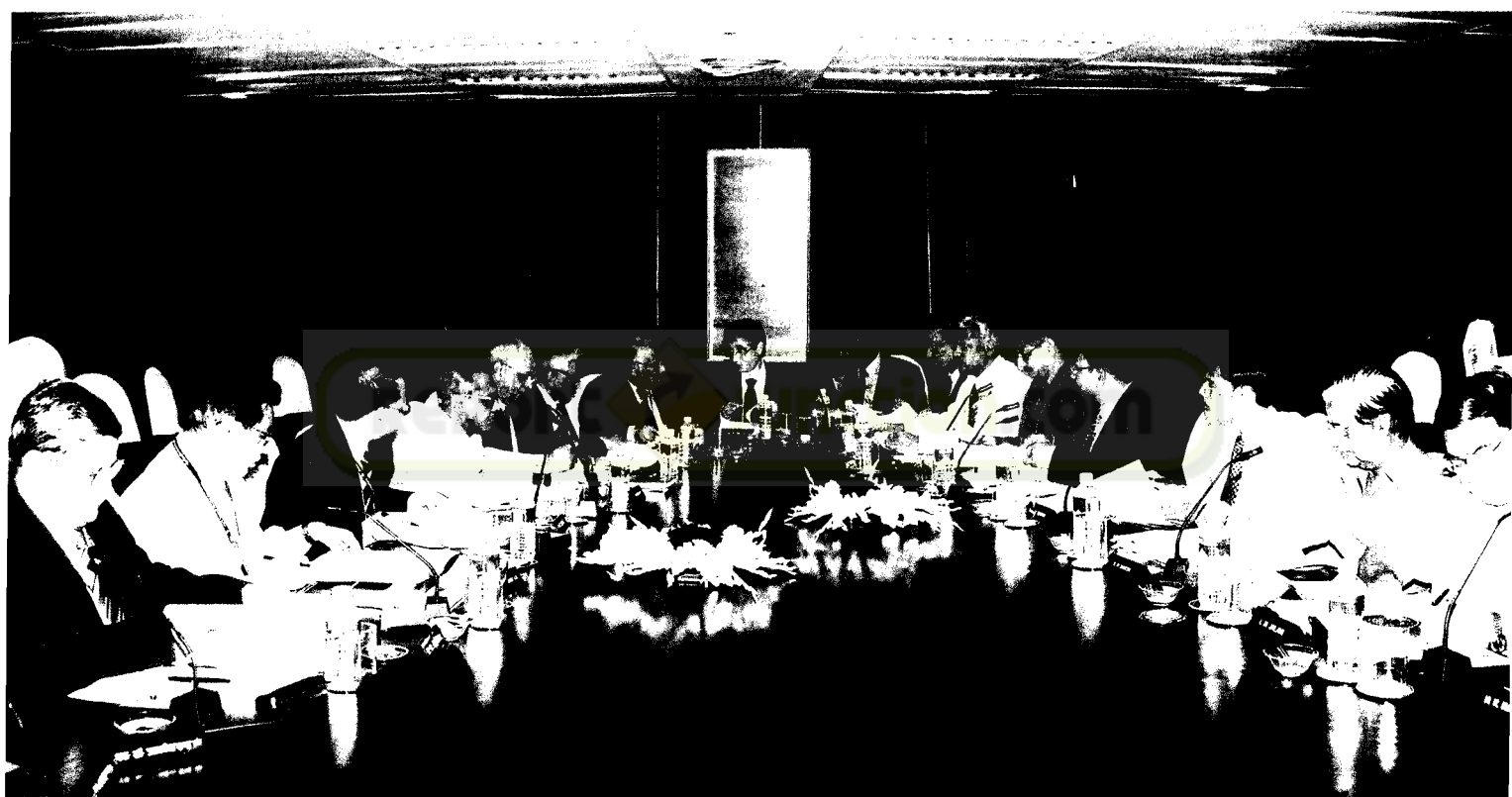
24x7 Internet banking
personal banking
International banking
core banking solution in all branches
corporate banking
connected with largest atm network of India
online bills payment facility
emphasis on financial inclusion



एस बी बी जे
S B B J



स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर
STATE BANK OF BIKANER AND JAIPUR



निदेशक मण्डल की सभा का दृश्य

View of the Meeting of the Board of Directors

सूचना

स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर

प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, 'सी'-स्कीम,
जयपुर-302 005

एतद्वारा सूचना दी जाती है कि स्टेट बैंक ऑफ बीकानेर एण्ड जयपुर के अंशधारकों की छियालीसवीं वार्षिक साधारण सभा बिड़ला ऑडिटोरियम, स्टेच्यू सर्किल के पास, जयपुर में शुक्रवार, दिनांक 18 मई, 2007 को प्रातः 11.30 बजे (मानक समय) आयोजित की जावेगी, जिसमें 1 अप्रैल, 2006 से 31 मार्च, 2007 तक की अवधि के तुलन-पत्र एवं लाभ और हानि खाता, इसी अवधि में बैंक के कार्यकरण एवं क्रियाकलापों पर निदेशक मंडल के प्रतिवेदन तथा तुलन-पत्र व लेखों के सम्बन्ध में संपरीक्षकों के प्रतिवेदन पर विचार किया जायेगा।

मण्डल के आदेशानुसार

जयपुर

दिनांक : 13.04.2007

एस.के. भट्टाचार्य

प्रबन्ध निदेशक

Notice

STATE BANK OF BIKANER & JAIPUR

Head Office, Tilak Marg, 'C'-Scheme
Jaipur-302 005

NOTICE is hereby given that the Forty Sixth Annual General Meeting of the Shareholders of State Bank of Bikaner and Jaipur will be held in the **Birla Auditorium, Near Statue Circle, Jaipur on Friday, the 18th May, 2007 at 11.30 A.M.** (Standard Time) to discuss the Balance Sheet and Profit & Loss Account of the Bank, the report of the Board of Directors on the working and activities of the Bank and the Auditors' Report on the Balance Sheet and Accounts for the period 1st April, 2006 to 31st March, 2007.

By Order of the Board

Jaipur

Dated : 13.04.2007

S. K. Bhattacharyya

Managing Director

विषय-सूची CONTENTS

उल्लेखनीय तथ्य	03
Highlights	03
निदेशक मण्डल	04
Board of Directors	05
निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन	06
Directors' Report	07
तुलन-पत्र	60
Balance Sheet	60
लाभ-हानि खाता	62
Profit & Loss Account	62
अनुसूचियां	64
Schedules	64
प्रमुख लेखा नीतियां	76
Principal Accounting Policies	77
खातों पर टिप्पणियां	82
Notes on Accounts	83
लेखा परीक्षकों का प्रतिवेदन	106
Auditors' Report	107

उन्नति का एक दशक 1998-2007

A Decade of Progress 1998-2007

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in crore)

संकेतक Indicators	पूँजी एवं आरक्षितियां Capital & Reserves	कुल व्यवसाय Total Business	हानिप्रद शाखाएँ (संख्या) Loss making Branches (No.)	सकल उपार्जन Operating Profit	निवल लाभ Net Profit	शाखाओं की संख्या No. of Branches	प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee
मार्च March 1998	344.12	10493	13	195.92	90.48	774	0.63
मार्च March 1999	419.35	12223	14	162.12	91.88	787	0.74
मार्च March 2000	523.12	14018	10	237.88	120.42	794	0.86
मार्च March 2001	609.20	16065	7	268.30	105.37	799	1.05
मार्च March 2002	752.11	17592	7	390.61	164.50	802	1.29
मार्च March 2003	903.45	20391	4	440.85	203.28	804	1.46
मार्च March 2004	1148.57	25457	4	681.35	301.52	812	1.70
मार्च March 2005	1297.68	31294	4	729.64	205.65	824	2.20
मार्च March 2006	1405.66	37790	4	481.03 [@]	145.03	832	2.77
मार्च March 2007	1653.71	49246	0 #	679.20 [@]	305.80	844	3.68

[@] निवेशों के मूल्यांकन के लिए भारिबैं द्वारा जारी पुनरीक्षित दिशा निदेशों को दृष्टिगत करते हुए।[@] Revised, keeping in view RBI directives on valuation of investments.

वर्ष 2006-07 के दौरान खोली गई नई शाखाओं को सम्मिलित नहीं करते हुए।

Excluding branches newly opened in 2006-07.

उल्लेखनीय तथ्य
HIGHLIGHTS

(रुपये करोड़ में)
(Rs. in crore)

	2005-06	2006-2007
कुल व्यवसाय अन्तर-बैंक जमाओं सहित Total Business including inter-bank deposits	37790	49246
जमा राशियाँ Deposits	21694	28480
कुल अग्रिम Total Advances	16096	20766
अग्रिम (निवल) Advances (Net)	15896	20526
निवेश (निवल) Investments (Net)	7932	8684
निवल लाभ Net Profit	145.03	305.80
जमाओं की लागत Cost of Deposits	4.53%	5.30%
अग्रिमों पर आय Yield on Advances	8.70%	9.46%
निवल ब्याज अन्तर Net Interest Margin	4.18%	3.64%
प्रदत्त पूँजी एवं आरक्षितियाँ Paid-up Capital & Reserves	1405.66	1653.71
प्रति अंश आय (रुपयों में) Earning per Share (in Rs.)	290.07	611.61
प्रति अंश पुस्तक मूल्य (रुपयों में) Book Value per Share (in Rs.)	2811	3307
पूँजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio	12.08%	12.89%
लाभांश दर Dividend Rate	65%	100%
सकल गैर-निष्पादित आस्तियाँ Gross Non-Performing Assets	388.73	463.03
सकल गैर-निष्पादित आस्तियाँ Gross NPA %	2.42%	2.23%
निवल गैर-निष्पादित आस्तियाँ Net NPA %	1.18%	1.09%
प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्र को अग्रिम Advances to Priority Sectors	6970	8474
कृषि क्षेत्र को अग्रिम Advances to Agriculture	2848	3714
लघु उद्योग क्षेत्र को अग्रिम Advances to Small Scale Industries	1680	1967
लघु व्यवसाय व अन्य प्राथमिकता क्षेत्र अग्रिम Advances to Small Business & Other Priority Sectors	2442	2793
किसान क्रेडिट कार्डों की कुल संख्या Total number of Kisan Credit Cards	350302	410160
निर्यात वित्त Export Finance	1585	1833
शाखाओं की कुल संख्या Total number of branches	832	844
कोर बैंकिंग शाखाओं की संख्या No. of Core Banking branches	832	844
कर्मचारियों की संख्या Number of Employees	12845	12499
प्रति कर्मचारी औसत व्यवसाय Average Business per Employee	2.77	3.68

निदेशक मण्डल

BOARD OF DIRECTORS

श्री ओ. पी. भट्ट अध्यक्ष भारतीय स्टेट बैंक, कॉर्पोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अध्यक्ष, भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन पदेन अध्यक्ष	Shri O.P. Bhatt Chairman State Bank of India Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Chairman, ex-officio under clause (a) of sub section (1) of section 25 of the State Bank of India (Subsidiary Banks) Act, 1959.
श्री एस. के. भट्टाचार्य प्रबन्ध निदेशक स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर प्रधान कार्यालय, तिलक मार्ग, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ए) के अधीन मनोनीत	Shri S. K. Bhattacharyya Managing Director State Bank of Bikaner & Jaipur Head Office, Tilak Marg, Jaipur	Nominated under clause (aa) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
श्री वाई. विजयानन्द उप प्रबन्ध निदेशक एवं समूह कार्यपालक (ए एण्ड एस समूह) भारतीय स्टेट बैंक, कॉर्पोरेट केन्द्र, मादाम कामा रोड, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत	Shri Y. Vijayanand Dy. Managing Director & Group Executive (A & S Group) State Bank of India, Corporate Centre, Madame Cama Road, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub- section (1) of section 25 of the Act.
श्री एस. रामास्वामी क्षेत्रीय निदेशक भारतीय रिजर्व बैंक, थिरुवनन्तपुरम	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (बी) के अधीन भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मनोनीत	Shri S. Ramaswamy Regional Director Reserve Bank of India Thiruvananthapuram	Nominated by the Reserve Bank of India under clause (b) of sub- section (1) of section 25 of the Act.
श्री जीवन गोस्वामी महाप्रबन्धक (ए एण्ड एस समूह) सहयोगी बैंक विभाग भारतीय स्टेट बैंक, कॉर्पोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत	Shri Jiban Goswami General Manager (A&S Group) Associate Banks Deptt. State Bank of India Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub- section (1) of section 25 of the Act.
श्री एस. ए. थिम्मैया उप महाप्रबन्धक (ए एण्ड एस. समूह) सहयोगी बैंक विभाग, भारतीय स्टेट बैंक, कॉर्पोरेट केन्द्र, मुम्बई	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत	Shri S. A. Thimmiah Dy. General Manager (A&S Group) Associate Banks Deptt. State Bank of India Corporate Centre, Mumbai	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub- section (1) of section 25 of the Act.
श्री संजय बापना हीराबाग, रामसिंह रोड, जयपुर - 302004	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सी) के अधीन भारतीय स्टेट बैंक द्वारा मनोनीत	Shri Sanjay Bapna Hira Bagh, Ramsingh Road Jaipur (Raj.) - 302 004	Nominated by the State Bank of India under clause (c) of sub- section (1) of section 25 of the Act.
डॉ. संजीव अग्रवाल ए. 226, शिवानन्द मार्ग, मालवीय नगर, जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक	Dr. Sanjiv Agarwal A-226, Shivanand Marg Malviya Nagar, Jaipur-302017	Elected under clause (d) of sub- section (1) of section 25 of the Act.
श्री संजय निरनवाल ए-208, त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बाईपास जयपुर	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (डी) के अधीन चयनित निदेशक	Shri Sanjay Niranwal A-208, Triveni Nagar Gopalpura ByePass, Jaipur	Elected under clause (d) of sub- section (1) of section 25 of the Act.
श्री एम. के. मल्होत्रा अवर सचिव, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय आर्थिक कार्य विभाग (बैंकिंग प्रभाग) संसद मार्ग, नई दिल्ली	अधिनियम की धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (ई) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत	Shri M. K. Malhotra Under Secretary Govt. of India, Ministry of Finance Deptt. of Economic Affairs, (Banking Division) Parliament Street, New Delhi.	Nominated by the central Government under clause (e) of sub-section (1) of section 25 of the Act.
श्री यू. एम. संघी सचिव, एबीओए (यूनिट एसबीबीजे), सहायक महाप्रबन्धक (राजभाषा), स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर, प्रधान कार्यालय, जयपुर	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीबी) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत	Shri U. M. Sanghi Secretary- ABOA (Unit - SBBJ) AGM (Rajbhasha) SBBJ, Head Office, Jaipur	Nominated by the central Government under clause (cb) of sub-section (1) of section 25 read with the sub-section (2A) of section 26 of the Act.
श्री एल. एन. जालानी विशेष सहायक स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर, अंचल कार्यालय, ए-23, शास्त्री नगर, जोधपुर - 342 033	अधिनियम की धारा 26 की उपधारा (2ए) के साथ पठित धारा 25 की उपधारा (1) के खण्ड (सीए) के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा मनोनीत	Shri L. N. Jalani Special Assistant State Bank of Bikaner & Jaipur Zonal Office, A-23, Shastri Nagar, Jodhpur - 342033	Nominated by the central Government under clause (ca) of sub-section (1) of section 25 read with the sub-section (2A) of section 26 of the Act.

निदेशक मण्डल
BOARD OF DIRECTORS



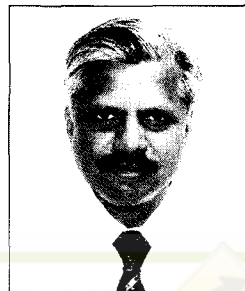
श्री ओ. पी. भट्ट
अध्यक्ष
Shri O. P. Bhatt
Chairman



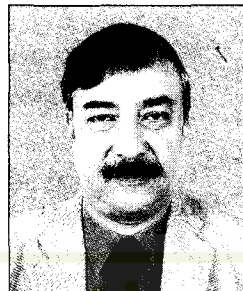
श्री एस. के. भट्टाचार्य
प्रबन्ध निदेशक
Shri S. K. Bhattacharyya
Managing Director



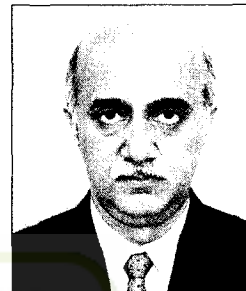
श्री वाई. विजयानन्द
Shri Y. Vijayanand



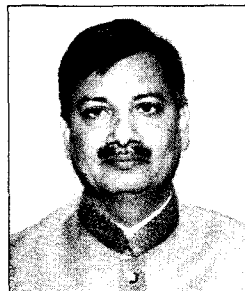
श्री एस. रामास्वामी
Shri S. Ramaswamy



श्री जीवन गोस्वामी
Shri Jiban Goswami



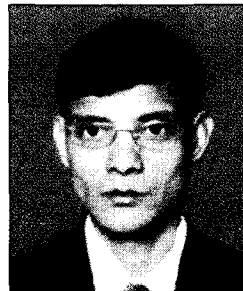
श्री एस. ए. थिमैया
Shri S. A. Thimmiah



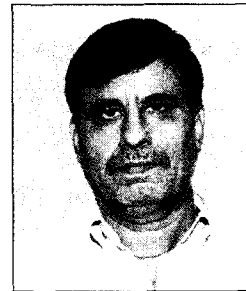
श्री संजय बापना
Shri Sanjay Bapna



डॉ. संजीव अग्रवाल
Dr. Sanjiv Agarwal



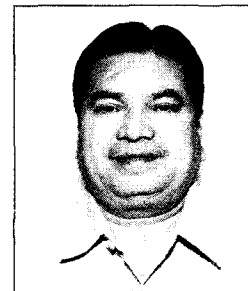
श्री संजय निरनवाल
Shri Sanjay Niranwal



श्री एम. के. मल्होत्रा
Shri M. K. Malhotra



श्री यू. एम. संघी
Shri U. M. Sanghi



श्री एल. एन. जालानी
Shri L. N. Jalani

**भारतीय स्टेट बैंक (समनुषंगी बैंक) अधिनियम, 1959 की धारा
43 (1) के निबन्धनों के तहत भारतीय स्टेट बैंक, भारतीय रिज़र्व बैंक एवं
भारत सरकार को निदेशक मण्डल का प्रतिवेदन
प्रतिवेदन की अवधि : 1 अप्रैल, 2006 से 31 मार्च, 2007**

स्टेट बैंक ऑफ़ बीकानेर एण्ड जयपुर के निदेशक मण्डल को बैंक के 31 मार्च, 2007 को समाप्त हुए वर्ष का वार्षिक प्रतिवेदन, अंकेक्षित तुलन-पत्र एवं लाभ-हानि खातों के साथ प्रस्तुत करते हुए प्रसन्नता है।

प्रबन्धन विचार-विमर्श और विश्लेषण

आर्थिक परिदृश्य

विश्व-अर्थव्यवस्था

विश्व-अर्थव्यवस्था में तीव्र गति से वृद्धि जारी है यद्यपि विकास की गति कुछ मंद रही है। वर्ल्ड इकोनोमिक आउटलुक (अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष, अप्रैल 2007) के अनुसार विश्व उत्पाद में वृद्धि दर वर्ष 2005 की 4.9% की तुलना में, वर्ष 2006 में 5.4% होने का अनुमान है और वर्ष 2007 के लिए यह वृद्धि दर घटकर 4.9% तक आने की संभावना है। भारत एवं चीन विश्व में तीव्रतम गति से विकास करने वाले राष्ट्रों में बने हुए हैं। तथापि, अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की बढ़ी हुई तथा अस्थिर कीमतें, मुद्रास्फीति का दबाव एवं विश्वभर में वृहत् आर्थिक असन्तुलन लगातार चिन्ता के विषय बने हुए हैं।

भारतीय अर्थव्यवस्था

केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन के पूर्वानुमानों के अनुसार, वर्ष 2006-07 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (1999-2000 की कीमतों पर) में 9.2% की उच्च वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है (जो कि वर्ष 2005-06 में 9.0% थी), यह पिछले 18 वर्षों की तीव्रतम तथा स्वतन्त्रता के बाद से दूसरी सबसे उच्च वृद्धि है। वर्ष 2005-06 के दौरान हुई कृषि, औद्योगिक तथा सेवा क्षेत्रों की क्रमशः 6.0%, 8.0% तथा 10.3% की वृद्धि दर की तुलना में वर्ष 2006-07 में इन क्षेत्रों में क्रमशः 2.7%, 10.2% तथा 11.0% की वृद्धि दर रहने का अनुमान है। विनिर्माण क्षेत्र में अप्रैल-फरवरी 2005-06 की 9.1% वृद्धि की तुलना में 2006-07 के तुलनात्मक समय में 12.1% की वृद्धि होने से, औद्योगिक उत्पादन के सूचकांक में

अप्रैल-फरवरी 2006-07 के दौरान 11.1% की सुदृढ़ वृद्धि दर्ज की गई है जो पिछले वर्ष के तुलनात्मक समय में 8.1% थी।

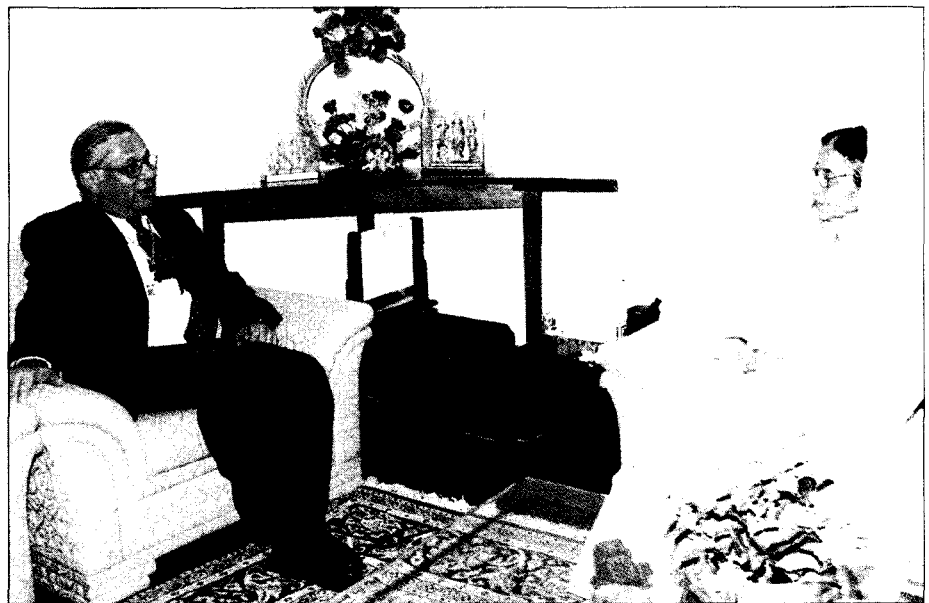
अप्रैल-फरवरी 2006-07 के दौरान भारत के निर्यात (अमरीकी डॉलर में) 19.3% की दर से बढ़े हैं जबकि आयात में 27.8% की वृद्धि दर्ज हुई है। उच्चतर व्यापार घाटे के बावजूद, अदृश्य प्राप्तियाँ एवं पूँजीगत अन्तर्वाह, विशेषकर विदेशी प्रत्यक्ष एवं संविभागीय निवेश, भुगतान संतुलन में अधिक्य बनाए रखने में सहायक बने रहे। परिणामस्वरूप मार्च 2007 के अन्त में भारत का विदेशी विनिमय कोष 199.2 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया जो कि मार्च 2006 के अन्त के स्तर से 47.6 बिलियन अमरीकी डॉलर अधिक था।

घरेलू मांग में सशक्त वृद्धि, असमान मानसून एवं अन्तर्राष्ट्रीय कच्चे तेल के मूल्यों के उच्च स्तरों के परिणामस्वरूप वर्ष पर्यन्त मुद्रास्फीति की दर बढ़ती रही। थोक मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति की दर ने मार्च 2007 के अन्त में 5.74% के स्तर पर पहुँचने से पहले 27 जनवरी 2007 को समाप्त सप्ताह में अन्त-मार्च 2006 के 4.06%

की तुलना में, 2 वर्ष के अधिकतम स्तर 6.69% को छुआ। वर्ष के दौरान भारत सरकार एवं भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा मुद्रास्फीति को कम करने के लिए कई उपाय किये गये जिनमें विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन/सीमा शुल्क में कटौती, फरवरी 2007 में पेट्रोल/डीजल के मूल्यों में कमी तथा विभिन्न अंतराल पर मौद्रिक नीति में कसाव लाना सम्मिलित रहे हैं।

राजस्थान की अर्थव्यवस्था

भौगोलिक दृष्टि से राजस्थान राज्य जो कि 3.42 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैला हुआ है, देश का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य सरकार द्वारा लगाए गए अग्रिम अनुमानों के अनुसार, राज्य के सकल घरेलू उत्पाद (1999-2000 की कीमतों पर) में वर्ष 2006-07 में 8.0% की वृद्धि दर रहने का अनुमान है जो कि वर्ष 2005-06 में हुई 5.0% की वृद्धि दर से अधिक है। स्थिर मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय, वर्ष 2005-06 के रुपये 15,219 से बढ़कर वर्ष 2006-07 में रुपये 16,215 हो गई है जो कि 6.5% की वृद्धि दर दर्शाती है।



प्रबन्ध निदेशक श्री एस. के. भट्टाचार्य, राजस्थान की महामहिम राज्यपाल श्रीमती प्रतिभा पाटिल को बैंक के कार्यकलापों से अवगत कराते हुए।

Managing Director, Shri S. K. Bhattacharyya apprising H.E. Smt. Pratibha Patil, Governor of Rajasthan about the Bank's activities.

**Report of the Board of Directors to the State Bank of India,
the Reserve Bank of India and the Government of India
in terms of Section 43(1) of the State Bank of India
(Subsidiary Banks) Act 1959.**

Period covered by the Report : 1st April 2006 to 31st March 2007

The Board of Directors of State Bank of Bikaner and Jaipur have pleasure in presenting this Annual Report together with the audited Balance Sheet and Profit and Loss Account of the Bank for the year ended 31st March 2007.

MANAGEMENT DISCUSSION AND ANALYSIS

ECONOMIC ENVIRONMENT

WORLD ECONOMY

The global economy continues to expand at a robust pace although there is some moderation in the growth momentum. According to World Economic Outlook (International Monetary Fund, April 2007), global GDP growth is expected to have accelerated to 5.4% in 2006 compared to 4.9% in 2005, and is likely to slow down to 4.9% in 2007. India and China continue to be amongst the fastest growing nations in the world. High and volatile international crude oil prices, inflationary pressures and global macro-economic imbalances continue to be the major areas of concern.

INDIAN ECONOMY

As per the advance estimates made by Central Statistical Organisation, India's GDP at 1999-2000 prices is expected to record a growth of 9.2% during 2006-07 (9.0% in 2005-06), which is the fastest growth in 18 years and second highest in the post Independence period. The growth of agriculture, industry and services sector is pegged at 2.7%, 10.2% and 11.0% during 2006-07, compared to 6.0%, 8.0% and 10.3% respectively during 2005-06. The Index of Industrial Production recorded a robust growth of 11.1% during April-February 2006-07 against 8.1% during

the corresponding period last year, boosted by manufacturing sector which recorded a growth of 12.1%, as against 9.1% in the corresponding period of 2005-06.

India's exports during April-February 2006-07, recorded a growth of 19.3% in US\$ terms, while imports recorded a growth of 27.8%. Notwithstanding higher trade deficit, invisible receipts and capital inflows particularly foreign direct and portfolio investments, helped in increasing surplus in the balance of payments account. As a result, India's foreign exchange reserves increased sharply to US\$ 199.2 billion as at end-March, 2007, higher by US\$ 47.6 billion over end-March 2006 level.

Strong growth in domestic demand, uneven spread of monsoons and high international crude prices resulted in inflation rising during the year. Inflation based on Wholesale Price Index, touched a two year high of 6.69% during week ended January 27,

2007, before softening to 5.74% by end-March 2007 as against 4.06% as at end-March 2006. A number of measures were taken by Government of India and Reserve Bank of India to contain inflation which included cutting excise/ customs duties on a host of commodities, reducing the prices of petrol/ diesel in February 2007 and tightening of monetary policy at different times during the year.

RAJASTHAN ECONOMY

Geographically spread over 3.42 lakh sq. kms, Rajasthan is the largest State in the country. As per the advance estimates made by the State Government, the Gross State Domestic Product at 1999-2000 prices is expected to record a growth of 8.0% during 2006-07, higher than 5.0% growth recorded during 2005-06. The Per Capita Income at constant prices is estimated to increase from Rs.15,219 during 2005-06 to Rs.16,215 during 2006-07, recording a growth of 6.5%.



प्रबन्ध निदेशक श्री एस. के. भट्टाचार्य, राजस्थान सरकार के माननीय उद्योग मंत्री श्री नरपत सिंह राजवी द्वारा सर्वोत्तम वार्षिक प्रतिवेदन के लिए पुरस्कार प्राप्त करते हुए।

Managing Director Shri S. K. Bhattacharyya, receiving the Best Annual Report Award from Shri Narpat Singh Rajvi, Hon'ble Minister of Industries, Government of Rajasthan.

राजस्थान राज्य की अर्थव्यवस्था मूलतः कृषि आधारित है जहाँ 75% आबादी ग्रामीण इलाकों में रहती है और आबादी का 70% हिस्सा अपनी आजीविका हेतु कृषि एवं कृषि पर आधारित गतिविधियों पर निर्भर है। वर्ष 2006-07 के दौरान अगस्त में राज्य के दक्षिण-पश्चिम भूभाग में अतिवृष्टि के साथ, पूरे राज्य में सामान्य से 19.3% अधिक मानसून की वर्षा रही। प्रारम्भिक अनुमानों के अनुसार कुल मिलाकर राज्य में 2006-07 में खाद्यान्न का उत्पादन 141.9 लाख टन रहने की सम्भावना है जो कि पिछले वर्ष के उत्पादन से 31.6% अधिक है। कृषि एवं पशुपालन के क्षेत्र में पिछले वर्ष रही 1.2% वृद्धि की तुलना में वर्ष 2006-07 में 16.3% की सुदृढ़ वृद्धि रहने की संभावना है। परिणामस्वरूप, राज्य के सकल घरेलू उत्पादन में कृषि का अंश, जो कि वर्ष 2005-06 में 24.4% था, बढ़कर वर्ष 2006-07 में 26.2% होने की संभावना है।

वित्तीय क्षेत्र की गतिविधियाँ

भारतीय अर्थव्यवस्था में तीव्र गति से हो रही वृद्धि के कारण वर्ष 2006-07 में जमाराशियों एवं ऋणों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई। 30 मार्च, 2007 को, वाणिज्यिक बैंकों की सकल जमाराशियों में वार्षिक रूप में 23.0% की वृद्धि दर्ज की गई जो कि 29 वर्षों में सर्वाधिक है। बैंक ऋणों में भी 27.6% की उच्च वृद्धि दर्ज हुई जो कि पिछले दो वर्षों की 30.0% से ऊपर रही वृद्धि के बावजूद है। वर्ष 2006-07 के दौरान मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रारक्षित नकदी निधि अनुपात में 100 आधार बिन्दु की वृद्धि की गई (जो कि अप्रैल 2007 में होने वाली 50 आधार बिन्दुओं की वृद्धि के अतिरिक्त है), रेपो दर में 125 आधार बिन्दु की वृद्धि, रिवर्स रेपो में 50 आधार बिन्दु की वृद्धि की गई तथा तरलता प्रबन्धन के नए उपाय किए गए। इन सबके परिणामस्वरूप पूरी वित्तीय प्रणाली की ब्याज दरों में वृद्धि देखी गई। वर्ष के दौरान प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की एक वर्ष से अधिक की परिपक्वता वाली जमाराशियों की ब्याज दरें मार्च 2006 की 5.75-7.25% से बढ़कर मार्च 2007 में 7.25-9.50% हो गई, जबकि बेंचमार्क मूल उधार दरें 10.25-11.25% से बढ़कर 12.25-12.75% हो गई। तरलता की बेहद कमी के

कारण, मार्च 2007 के अंत तक भारित औसत कॉल मनी दर 56% तक के स्तर तक पहुँच गई। दस वर्षीय अवशिष्ट परिपक्वता वाली सरकारी प्रतिभूतियों के प्रतिफल ने मार्च 2007 के अन्त में 7.97% के स्तर पर आने से पहले मार्च 2006 के अन्त में रहे 7.52% के अपने स्तर से बढ़कर, जुलाई 2006 की 8.40% की ऊँचाई को छुआ। विश्व स्तरीय प्रवृत्ति के अनुसार जून 2006 एवं फरवरी 2007 में थोड़े समय के लिए कमजोर रहने के अलावा, वर्ष पर्यन्त, पूँजी बाजार ऊँचाइयों पर रहा जबकि ऋण बाजार दबाव में रहा। इसी तरह मार्च 2007 के अन्त में 13,072 के स्तर पर पहुँचने से पहले बीएसई सूचकांक ने 14 जून को 8,799 के निम्नतम स्तर को एवं 9 फरवरी 2007 को 14,724 के उच्चतम स्तर को छुआ जो कि 2006-07 में रही 15.9% की समग्र वृद्धि को दर्शाता है।

वर्ष 2006-07 के दौरान विवेकशील मानदण्डों को मजबूत करने एवं मौद्रिक नीतियों में कसाव लाने हेतु विभिन्न उपायों के अतिरिक्त, बैंकों द्वारा अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में समुचित एवं समयबद्ध वित्तीय सहायता उपलब्ध करवाने के प्रयास किए गए। इनमें से कुछ महत्वपूर्ण नीतियुक्त परिवर्द्धन इस प्रकार रहे :-

- वर्ष 2006-07 के लिए खरीफ एवं रबी फसलों हेतु 7% की घटी हुई ब्याज दर पर तीन लाख रुपये तक के अल्पावधि ऋण योजना की घोषणा की गई, जिसमें भारत सरकार द्वारा 2% अतिरिक्त ब्याज की सहायता शामिल थी। यह योजना वर्ष 2007-08 के लिए भी जारी रहेगी।
- बैंकों को उन किसानों के लिये, जिनके ऋण खातों को प्राकृतिक आपदाओं के कारण पुनर्निर्धारित/पुनर्संचरित किया गया था, एक पारदर्शी एकमुश्त समझौता योजना बनाने की सलाह दी गई।
- प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों के ऋणों की वर्तमान नीति की समीक्षा की गई तथा इस सम्बन्ध में सार्वजनिक विचार हेतु दो प्रारूप रखे गये।
- सभी राज्य स्तरीय बैंकर्स समितियों को वित्तीय समावेशन को व्यापक रूप में अपनाने की सलाह दी गई जिनमें प्रत्येक राज्य के एक जिले को 100% वित्तीय समावेशन प्राप्त करने का लक्ष्य दिया गया।

- “अपने ग्राहक को जानिये” (केवाईसी) मानकों को लघु खाता धारकों के लिये सरल किया गया जिनमें बैंकों को सलाह दी गई कि वे खाताधारक से केवल फोटो एवं स्वयं द्वारा प्रमाणित पते की ही मांग करें।
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के राज्यवार विलय पर जोर दिया गया एवं उनके परिचालन में अधिक लचीलापन लाने का प्रयास किया गया।
- अन्तर्राष्ट्रीय उपस्थिति वाले बैंकों को बेसल-II के मानकों में स्थानान्तरण के लिये अन्तिम तिथि 31 मार्च 2008 तक बढ़ाई गई तथा अन्य वाणिज्यिक बैंकों के लिये यह तिथि 31 मार्च 2009 रखी गई।
- वैयक्तिक ऋणों, पूँजी बाजार के लिए ऋणों, 20 लाख से ऊपर के गृह ऋणों, साख कार्डों के प्रायों, गैर जमा वाली गैर बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों एवं वाणिज्यिक स्थावर सम्पदा के मानक अग्रिमों पर प्रावधानों में और बढ़ोतरी की गई।
- मांग/नोटिस एवं मियादी मौद्रिक बाजार में व्यापार करने के लिये स्क्रीन आधारित तय शुदा दर-निर्धारित प्रणाली को लागू किया गया।
- पूँजी खाते में परिवर्तनीयता की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम यथा भारतीय नागरिकों की विदेशों में व्यक्तिगत लेनदेन की सीमा को 25,000 अमेरिकी डॉलर से बढ़ाकर 50,000 अमेरिकी डॉलर करना, बाह्य वाणिज्यिक उधारों के मानदण्डों में उदारता, सरकारी प्रतिभूतियों में विदेशी संस्थागत निवेश तथा म्युच्युअल कोषों द्वारा विदेशों में निवेश सीमा को बढ़ाने जैसे कदम उठाये गए।
- इसी तरह वर्ष 2007-08 के केन्द्रीय बजट में भी कई घोषणाएँ की गईं, जिनमें 50 लाख अतिरिक्त नये किसानों को ऋण उपलब्ध करवाकर कृषि साख को 2,25,000 करोड़ रुपये तक बढ़ाना, भारतीय स्टेट बैंक के शेयरों को भारतीय रिजर्व बैंक से भारत सरकार को स्थानान्तरित करने, विभेदक ब्याज दर योजना के अग्रिमों की सीमा में वृद्धि, वरिष्ठ नागरिकों हेतु प्रतिबंधक ऋण योजना की शुरुआत एवं वित्तीय समावेशन के लिये अलग से कोषों की स्थापना जैसे उपाय शामिल हैं।